2017-18 के लिए जीडीपी के अनंतिम अनुमान के साथ-साथ चौथी तिमाही, 2017-18 के लिए भी जीडीपी अनुमान जारी

❖ वित्त वर्ष 2017-18 में स्थिर मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान।

❖ सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान 31 मई, 2018 को जारी किये गये। इन अनुमानों से जुड़ी मुख्य बातों का उल्लेख नीचे किया गया है।

तिमाही अनुमान (चौथी तिमाही, 2017-18)

❖ वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में वर्ष 2011-12 के मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत आंकी गई, जबकि वित्त वर्ष 2017-18 की प्रथम तीन तिमाहियों यथा पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर क्रमशः 5.6, 6.3 तथा 7.0 प्रतिशत रही थी। कृषि (4.5 प्रतिशत), विनिर्माण (9.1 प्रतिशत) और निर्माण (11.5 प्रतिशत) क्षेत्रों के उल्लेखनीय योगदान से ही यह उत्कृष्ट प्रदर्शन संभव हो पाया है।

❖ वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में क्षेत्रवार स्तर पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीवीए वृद्धि दर क्रमशः 4.5, 8.8 और 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

❖ वित्त वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में पूंजीगत सामान की 9.0 प्रतिशत की वृद्धि दर की बदौलत स्थिर मूल्यों पर सकल स्थायी पूंजी निर्माण की वृद्धि दर चौथी तिमाही में बढ़कर 14.4 प्रतिशत हो गई, जबकि पहली, दूसरी और तीसरी तिमाहियों में यह वृद्धि दर क्रमशः 0.8, 6.1 तथा 9.1 प्रतिशत थी।

2017-18 के लिए जीडीपी के अनंतिम अनुमान

❖ राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमानों के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2017-18 में क्षेत्रवार स्तर पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों, उद्योग और सेवा क्षेत्रों के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीवीए वृद्धि दर क्रमशः 3.4, 5.5 और 7.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

वार्षिक राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2017-18 और सकल घरेलू उत्पाद के तिमाही अनुमान, 2017-18

❖ सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्यों दोनों पर ही वित्त वषज़ 2017-18 के लिए राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान जारी कर दिए हैं।

❖ स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2017-18 के साथ-साथ वित्त वर्ष 2017-18 की पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दरों का भी उल्लेख नीचे किया गया है:

जीडीपी वृद्धि दरें

	स्थिर मूल्य (2011-12)	वर्तमान मूल्य
वार्षिक 2017 -18	6.7	10.0
पहली तिमाही, 2017-18 (अप्रैल-जून)	5.6	8.3
दूसरी तिमाही, 2017-18 (जुलाई-सितंबर)	6.3	9.5
तीसरी तिमाही, 2017-18 (अक्टूबर-दिसंबर)	7.0	11.0
चौथी तिमाही, 2017-18 (जनवरी-मार्च)	7.7	10.9

राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2017-18

❖ वर्ष 2017-18 के लिए राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम अनुमान 28 फरवरी, 2018 को जारी किए गए थे। कृषि उत्पादन एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के नवीनतम अनुमानों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कि रेलवे, परिवहन (रेलवे को छोड़कर), संचार, बैंकिंग तथा बीमा के प्रदर्शन और सरकारी व्यय को शामिल करते हुए इन अनुमानों को अब संशोधित कर दिया गया है।

स्थिर (2011-12) मूल्यों पर अनुमान

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

❖ वर्ष 2017-18 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़कर 130.11 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2016-17 के लिए प्रथम संशोधित अनुमानों में यह 121.96 लाख करोड़ रुपये आंका गया था। यह 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्द्धित (जीवीए)

❖ वर्ष 2017-18 में बुनियादी स्थिर मूल्यों (2011-12) पर वास्तविक जीवीए अर्थात जीवीए के बढ़कर 119.76 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2016-17 के प्रथम संशोधित अनुमानों में 112.48 लाख करोड़ रुपये था। यह 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

❖ जिन क्षेत्रों ने 7.0 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं (10.0 प्रतिशत), व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से जुड़ी सेवाए (8.0 प्रतिशत) और विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं (7.2 प्रतिशत) शामिल हैं। कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालनज, खनन एवं उत्खनन, विनिर्माण, निर्माण और वित्तीय, अचल संपर्तति एवं प्रोफेशनल सेवाओं की वृद्धि दर क्रमशः 3.4, 2.9, 5.7, 5.7 और 6.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

सकल राष्ट्रीय आय

❖ वर्ष 2017-18 के दौरान वर्ष 2011-12 के मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 128.64 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह अनुमानित 120.52 लाख करोड़ रुपये थी। वृद्धि दरों की दृष्टि से वर्ष 2017-18 के दौरान सकल राष्ट्रीय आय में 6.7 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है जबकि वर्ष 2016-17 के दौरान वृद्धि दर 7.1 फीसदी थी।

प्रति व्यक्ति आय

❖ वर्ष 2017-18 के दौरान सही अर्थों में (2011-12 के मूल्यों पर) प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 86,668 रुपये के स्तर पर पहुंच जाने की संभावना है, जो वर्ष 2016-17 में 82229 रुपये थी। वर्ष 2017-18 के दौरान प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष 5.7 फीसदी थी।

वर्तमान मूल्यों पर अनुमान

सकल घरेलू उत्पाद

❖ वर्ष 2017-18 में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बढ़कर 167.73 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो वषज़ 2016-17 में 152.54 लाख करोड़ रुपये आंकी गई थी। यह 10.0 फीसदी की वृद्धि दर दर्शाती है।

❖ वर्तमान मूल्यों पर जिन क्षेत्रों (सेक्टर) ने 9 फीसदी एवं उससे ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें 'खनन एवं उत्खनन, 'व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं, वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाएं' और 'लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं शामिल हैं।

राष्ट्रीय आय

❖ वर्ष 2017-18 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 165.87 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2016-17 में 150.77 लाख करोड़ रुपये थी। यह 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय

❖ वर्ष 2017-18 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 112835 रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2016-17 में अनुमानित 103870 रुपये थी। यह 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

विज्ञान एवं रक्षा प्रौद्योगिकी

✪ **21 मई, 2018 को ओडिशा तट के चाँदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से उसकी सेवा अवधि बढ़ाने के लिए परीक्षण किया गया—** ***ब्रह्मोस***

- ❖ 21 मई, 2018 को ओडिशा तट के चाँदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण इसकी सेवा अवधि बढ़ाने के लिए किया गया।
- ❖ परीक्षण के साथ यह मिसाइल निर्धारित मार्ग पर चला और इसके उपकरणों ने सम्पूर्णता के साथ कार्य किया।
- ❖ विश्व की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल **'ब्रह्मोस'** की मारक क्षमता 450 किमी. है।
- ❖ यह मिसाइल 2.5 से 3.0 मैक की गति से वार करने में सक्षम है।
- ❖ इसे जमीन, हवा तथा युद्धपोत सभी स्थानों से छोड़ा जा सकता है।
- ❖ इसका विकास भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोनिया (NPO Mashinostro Yeniya) के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस (BrahMos Aerospace) द्वारा किया गया।

✪ **12 अप्रैल, 2018 को इसरो (ISRO) द्वारा कौनसा नौवहन उपग्रह सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया—** ***IRNSS-1आई***

- ❖ भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा 12 अप्रैल, 2018 को PSLV-C 41 प्रक्षेपण यान द्वारा IRNSS-1आई का प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से किया गया।
- ❖ यह भारत की क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली का नवीनतम उपग्रह है, भारत की इस नौवहन प्रणाली को नाविक **(NAVIC- Navigation with Indian Constellation)** नाम दिया गया है।
- ❖ 10 साल तक काम करेगा। यह मैप तैयार करने, समय का सही पता लगाने, समुद्र में दिशा बताने, सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने और सैन्य क्षेत्र में मदद करेगा। यह सैटेलाइट IRNSS-1एच की जगह लेगा, जिसकी लॉन्चिंग पिछले साल नाकाम हो गई थी। सैटेलाइट की सेवाओं को फायदा स्मार्ट फोन में एप (App) के जरिये उठाया जा सकेगा। सैटेलाइट मछुआरों को ज्यादा मछली वाले इलाके के बारे में जानकारी के साथ ही खराब मौसम, चक्रवात और इंटरनेशनल मरीन बॉर्डर के करीब पहुँचने की जानकारी देगा।

✪ **सहयोग - हाइब्लियोग 2018—**

- ❖ भारत व दक्षिण कोरिया के तटरक्षक बलों ने एक समुद्री संयुक्त अभ्यास चेन्नई के तट के निकट 5 अप्रैल, 2018 को किया। **सहयोग-हाइब्लियोग 2018** नाम के इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य समुद्री लुटेरों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए अभ्यास करना था।

❐❐❐

राजस्थान के वर्तमान में प्रमुख पदाधिकारी

1.	श्री कल्याण सिंह	**राज्यपाल एवं कुलाधिपति**
2.	जस्टिस प्रदीप नांद्रजोग	**मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय**
3.	श्रीमती वसुंधरा राजे	**मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष मुख्यमंत्री सलाहकार परिषद एवं अध्यक्ष, बीस सूत्रीय कार्यक्रम**
4.	बी. डी. गुप्ता	**मुख्य सचिव, राज स्थान सरकार**
5.	सी. एस. राजन	**उपाध्यक्ष, मुख्यमंत्री सलाहकार परिषद**
6.	सुमन शर्मा	**अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग**
7.	गोपाल पचेरवाल	**अध्यक्ष, राज्य सफाई आयोग**
8.	श्रीचन्द्र कृपलानी	**अध्यक्ष, राजस्थान आवासन मण्डल**
9.	डॉ. ज्योति किरण	**अध्यक्ष, पाँचवां वित्त आयोग**
10.	प्रो. बी. एल. चौधरी	**अध्यक्ष, मा० शि० बोर्ड, अजमेर**
11.	ओ. पी. गलहोत्रा	**महानिदेशक, पुलिस राजस्थान**
12.	अशोक राठौड़	**पुलिस कमिश्नर, जोधपुर**
13.	संजय अग्रवाल	**जयपुर पुलिस कमिश्नर**
14.	कैलाश मेघवाल	**अध्यक्ष, 14वीं विधानसभा**
15.	राव राजेन्द्र सिंह	**उपाध्यक्ष, 14वीं विधानसभा**
16.	रामेश्वर डूडी	**नेता प्रतिपक्ष, 14वीं विधानसभा**
17.	अशोक परनामी	**अध्यक्ष, प्रदेश भाजपा**
18.	सचिन पायलट	**अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी**
19.	प्रद्युम्न सिंह	**अध्यक्ष, लोक लेखा समिति**
20.	सरदार जसवीर सिंह	**अध्यक्ष, राज्य अल्पसंख्यक आयोग**
21.	मनन चतुर्वेदी	**अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग**
22.	श्रीमति निशा गुप्ता	**अध्यक्ष, राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग**
23.	प्रमोद कुमार	**अध्यक्ष, जैव विविधता मण्डल, जयपुर**
24.	सज्जनसिंह कोठारी	**लोकायुक्त**
25.	वी. श्रीनिवास	**अध्यक्ष, राजस्व मण्डल, अजमेर**
26.	नरपतमल लोढ़ा	**महाधिवक्ता**
27.	सुरेश चौधरी	**मुख्य सूचना आयुक्त**
28.	ओंकार सिंह लखावत	**अध्यक्ष, राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण**
29.	प्रेमसिंह मेहरा	**मुख्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान**
30.	राजहंस उपाध्याय	**अध्यक्ष, राजस्थान सिविल सेवा अपील, प्राधिकरण, जयपुर**
31.	प्रकाश टाटिया	**अध्यक्ष, राज्य मानवाधिकार आयोग**
32.	बालकृष्ण मीणा	**अध्यक्ष, राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर**
33.	सुंदर लाल	**अध्यक्ष, राज्य अनुसूचित जाति आयोग**
34.	जीतेन्द्र राय गोयल	**अध्यक्ष, राजस्थान अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग**

* मई 2018 तक की स्थिति